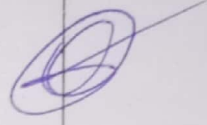


11-20 पत्रावली पेश एवं अधिवक्ता उभय

पेशकारान् उप. अधिवक्ता प्रार्थना द्वारा जाद्वि  
किंग गंगा कि प्रार्थना के एक-दिएके की ज़ावेदागी  
शुक्ति क्र. सं. 109 में दफ्तार जारी किया  
जाता है तो अधिवक्ता को कोई एतराफ  
नहीं है। उक्त स्वीकारोक्ति का अधिवक्ता  
प्रार्थना द्वारा स्वीकारि जाद्वि की गई।  
जिस पर बाद में प्रार्थना सुनी गई अधिवक्ता  
प्रार्थना द्वारा प्रार्थना-पत्र में वर्णित तथ्यों को  
दोहराते हुए प्रार्थना-पत्र स्वीकार करने का  
इस्तर हुआ पाया।

की  
शुक्ति सं. 109  
दफ्तार जारी  
किया जाया  
है जो कोई  
आपत्ति नहीं



पत्रावली का दफ्तारपूर्वक भण्डारण  
किया गया। भण्डारण से दफ्तार है कि  
तदधीन तिथि के राजस्व ग्राम उम्मेदवार  
के क्र. सं. 109 रकबा 32 बीघा 13 किल्ला  
शुक्ति प्रार्थना के ज़ावेदागी क्र. सं. 109/2  
रकबा 32 बीघा 13 किल्ला शुक्ति प्रार्थना  
की ज़ावेदागी की शुक्ति है। उक्त शुक्ति प्रार्थना  
के पिरा व अधिवक्ता सं. 01 के दादा के  
प्रार्थना के माई मिन्नी जाल से स्वीकारि की थी।  
उक्त क्र. सं. 109 में दफ्तार से बरा नम्बरा  
में दर्ज है जिसकी राजस्व डेकड में तदधीन  
जारी हुई है जब प्रार्थना ने दिनांक 26.6.2019  
ने एल्का परवारी से वाद ग्रस्त शुक्ति के  
मसखे की नकल ली तो प्रार्थना को ज्ञात हुआ  
कि क्र. सं. 109 की एल्का परवारी के द्वारा  
अर्थात् तारीख से गलत व अनुचित तदधीन  
करवा दी है इसलिए अधिवक्ता विधि विरुद्ध  
तारीख के साक्ष्य पर बेश कीमति का शुक्ति का  
लेखन का प्रार्थना को दफ्तारपूर्वक तैयार किया है।  
इलाजिए वाद ग्रस्त शुक्ति को दोबारा दावा सुद्विगत  
करने के लिए की माई व डेकड का अधिवक्ता को  
स्वीकारि जादी न्यायोचित है।


उक्त उभय पेशकारान् की सहमति से  
प्रार्थना द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र अधिवक्ता कार्या  
212 राजाकान काश्तकारी अधिवक्ता का स्वीकारि  
किया जाता है तथा अधिवक्ता निवेदनका से उभय  
पेशकारान् को इस कदम पास किना जाता है  
कि वे वाद ग्रस्त शुक्ति के तदधीन तिथि के  
राजस्व ग्राम उम्मेदवार के दफ्तार से

P.T.O.

तारीख  
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

में लिखत अ.स. 109 रकबा 37 बीघा  
13 बिस्का व अ.स. 109/2 रकबा 37 बीघा  
12 बिस्का अफि का गान्धिलाल दाजा मोरे  
क. रैकॉर्ड की पश्चात्कारि बनाए रखे  
पश्चात्कारि कुल्लु शुफाट होकर नम्बरा  
से कान की जाकर मूलकाद पत्र के साथ  
नारसी हो।

  
व्यायक इवेन्स, गान्धिलाल